



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

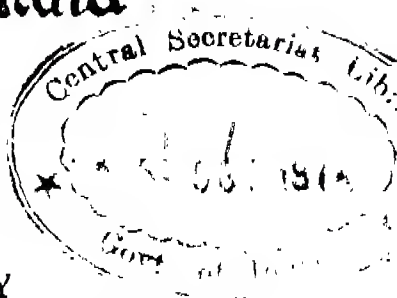
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 391] नई दिल्ली, बुध्द्वर्तिवार, सितम्बर 12, 1974/भाद्र 21, 1896

No. 391] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 12, 1974/BHADRA 21, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 12th September 1974

S.O. 539(E)/18FB/IDRA/74.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) S.O. No. 624(E)/18FB/IDRA/72, dated 25th September, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that the operation of all or any of the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order in the Official Gazette to which the industrial undertaking known as M/s Andhra Scientific Company, Limited, Machilipatnam in the State of Andhra Pradesh is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended upto 24th September, 1973 and all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended upto 24th September, 1973;

And whereas by the order of the Government in the Ministry of Industrial Development S.O. No. 511(E)/18FB/IDRA/73, dated 21st September, 1973, the duration of the said Order was extended upto 24th September, 1974;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended further upto 24th September, 1975;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto 24th September, 1975.

[No. F.2/19/72-CUC].

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1974

का० आ० 539 (अ)/18 एक बी/आई डी आर ए/74.—यतः भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में का० आ० सं० 624(ई)/18 एक बी/आई डी आर ए/72 तारीख 25 सितम्बर, 1972 (इस में इस के पश्चात् उक्त आदेश के रूप में निर्दिष्ट), के आदेश द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 एक बी की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषित किया था, कि राजपूत में उक्त आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पहले प्रवृत्त समस्त या किन्हीं संविदा, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्र करार, समझौते, पंचाट, अस्थायी आदेश या अन्य लिखित, जिनमें आंध्र प्रदेश में मैक्स आंध्र सांख्यिकिक कम्पनी लिमिटेड, मछली पटनम के रूप से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम पञ्चकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू हो सकेगा, 24 सितम्बर, 1973 तक निलम्बित रहेंगे और उक्त तारीख के पूर्व तद्घोत प्रोद्भूत और उद्भूत समस्त अधिकार, विशेषाधिकार बाध्यताएं और दायित्व 24 सितम्बर, 1973 तक निलम्बित रहेंगे;

और यतः औद्योगिक विकास मंत्रालय में सरकार के आदेश का० आ० सं० 511/(ई)/18 एक बी/आई डी आर ए/73 तारीख 21 सितम्बर, 1973 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 24 सितम्बर, 1974 तक बढ़ाई गई थी;

और यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि और आगे 24 सितम्बर, 1975 तक बढ़ाई जानी चाहिए;

अतः अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 एक बी की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त आदेश की अवधि 24 सितम्बर, 1975 तक बढ़ाती है।

[सं० फा० 2/19/72-ती यू सी]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव।